

रील के चक्कर में जानलेवा हरकत, लोगों में गुस्सा

बाइक पर खड़े होकर युवक ने दिखाया खतरनाक स्टंट

दैनिक अवन्तिका ► उज्जैन

रील के इस जमाने में आज हर कोई कूल बनने के चक्कर में किसी भी हद तक जाने को तैयार रहता है, फिर चाहे बात खतरनाक स्टंट करने की हो या फिर कोई डेरिंग भरा काम करने की, लोग बस किसी भी तरह समाज से कूल का टैग लेने के लिए जो हो सकता है, कर गुजरते हैं। हाल ही में एक ऐसा ही वीडियो सामने आ रहा है, जिसमें एक शख्स अपनी जान जोखिम में डालकर खतरनाक स्टंट करता नजर आ रहा है, जिसे देखकर आप भी दांतों तले उंगली दबा लेंगे।

वायरल हो रहे इस वीडियो में एक शख्स ट्रैफिक के बीच बाइक चलाते-चलाते अचानक से हाथ छोड़कर बाइक पर खड़ा हो जाता है और स्टंटबाजी करने लगता है। वीडियो में देखा जा सकता है कि, कैसे शख्स चलती बाइक पर दोनों पैर ऊपर कर-



पीछे आ रहे शख्स ने वीडियो बना लिया

शहर में जानलेवा स्टंट करने वाले मुख्य मार्ग को भी नहीं छोड़ रहे हैं। यह वीडियो देवास रोड पर आईजी कार्यालय के सामने का है। इसमें एक युवक चलती बाइक पर हाथ छोड़कर खड़ा हो गया। इसी तरह वह तीन बत्ती चौराहा तक वाहन चलाता रहा। इस दौरान पीछे आ रहे शख्स ने उसका वीडियो बना लिया। हालांकि वीडियो कब का है, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। मुख्य मार्ग पर इस तरह की स्टंटबाजी से अन्य लोगों के लिए खतरे का कारण बन सकती है। बावजूद इसके रील बनाने वाले बाज नहीं आते हैं।



वीडियो को देख लोगों का फूटा गुस्सा

अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग अपनी हरकतों से बाज नहीं आते और सड़कों पर गाड़ी लेकर फराटें से निकल पड़ते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर यह वीडियो जमकर शेयर किया गया है। इस वीडियो पर शहरवासियों ने कैप्शन में लिखा है की अभी यमराज जी सो रहे हैं, इसीलिए बच गया, पर उज्जैन पुलिस क्या इसे देख रही है....?' वीडियो देख चुके एक यूजर ने लिखा, 'ऐसा करके लोग दूसरों की जान की खतरे में



सिंहस्थ 2028 को लेकर की समीक्षा
केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना ने
लिया महाकाल का आशीर्वाद



दैनिक अवन्तिका ► उज्जैन

केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति मंत्री वी. सोमन्ना धार्मिक नगरी उज्जैन के प्रवास पर रहे। उन्होंने अपने दौर की शुरुआत विजय प्रसिद्ध भस्म आरती में सम्मिलित होकर बाबा महाकाल का दर्शन किया और देश की सुख-समृद्धि की कामना कर की। भस्म आरती के बाद केंद्रीय मंत्री सोमन्ना नलखेड़ा के बगुलामुखी धाम भी गए। यहां से लौटकर सीधे उज्जैन रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां उन्होंने आगामी सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखाते हुए रेलवे की ओर से किए जा रहे और भविष्य में प्रस्तावित निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। डीआरएम अश्विनी कुमार और अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारियों ने पीपीटी के माध्यम से मंत्री को बताया कि श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए स्टेशन का ढांचा किस तरह बढ़ाया जाएगा। बैठक के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी सिंहस्थ की आवश्यकताओं को लेकर मंत्री से चर्चा की। चर्चा में मुख्य रूप से

सिंहस्थ के लिए इन 3 ब्रिज का हो रहा निर्माण

सिंहस्थ 2028 एक विशाल आयोजन है, जिसके लिए रेलवे पूरी तरह सजग है। यात्रियों की सुगमता और आधुनिक बुनियादी ढांचे के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि उज्जैन स्टेशन पर तीन ब्रिज बनने वाले हैं। इसके साथ में लिफ्ट भी रहेगी। विक्रम नगर, चिंतामण गणेश, शिवा ब्रिज, नई खेड़ी, पिपलेश्वर, पंचाखा आदि अन्य स्टेशनों को भी डेवलप किया जाएगा। रेलवे ट्रैक को पब्लिक कनेक्ट से दूर करने एक बाउंड्रीवाल बनाई जाएगी। मेला क्षेत्र के अलावा जहां पर भी सर्वाधिक भीड़भाड़ होती है, यह वॉल वहां बनाई जाएगी।

91 नई कॉलोनियों को अगले सप्ताह से मिल जाएगी प्रॉपर्टी गाइड लाइन

101 कॉलोनियों का प्रस्ताव मुख्यालय भेजा था

02 माह बाद नई गाइड लाइन लागू होगी
300 से ज्यादा रजिस्ट्री अगले माह संभव

दैनिक अवन्तिका ► इंदौर

नई गाइड लाइन (2026-2027) लागू होने के दो महीने पहले इंदौर की प्रॉपर्टी गाइड लाइन में 91 नई कॉलोनियां शामिल होंगी। इसके लिए महानिरीक्षक पंजीयन ने मंजूरी दे दी है। पंजीयन विभाग अपनी प्रक्रिया पूरी कर अगले सप्ताह से इसे लागू भी कर देगा। इसके बाद इन कॉलोनियों में प्लॉटधारक या प्रॉपर्टी लेने वाले रजिस्ट्री करवा सकेंगे।

हालांकि इंदौर पंजीयन विभाग ने 101 कॉलोनियों का प्रस्ताव



जिन्हें फिलहाल नहीं मिली मंजूरी

श्री कन्हैया विहार लिंबोदी, नंदमहल कॉलोनी खजराना, सिद्धि विनायक रेसीडेंसी खजराना, टयूलिप पार्क ब्राह्मणखेड़ी, शांति पैराडाइज लीला एस्टेट बारोली, शंकरा निकेतन बारोली, गुरुकृपा रेसीडेंसी गरीपपल्या, शंकरा निकेतन एक्सटेंशन बारोली, तत्व ग्रीन मुकाता, वरदानिया एस्टेट मांगलिया सड़क।

नई गाइड लाइन के लिए भी पंजीयन ने बुलाए प्रस्ताव- वरिष्ठ जिला पंजीयक एवं संयोजक जिला मूल्यांकन समिति मंजुलता पटेल ने बताया वित्तीय वर्ष 2026-27 की गाइड लाइन तैयार करने की कार्यवाई शुरू हो गई है। नई गाइड लाइन में नई लोकेशन या नई बनी कॉलोनियों को जोड़े जाने के लिए प्रस्ताव/आवेदन बुलाए हैं। इसके लिए संबंधित कॉलोनाइजर को आवेदन के साथ सभी अनुमतियों (टीएनसी नक्शा, रेरा आदि) सहित संबंधित कार्यालय वरिष्ठ जिला पंजीयक/जिला पंजीयक, इंदौर-1, 2, 3 व 4 में दे सकते हैं।

दिया था, लेकिन मुख्यालय से 10 कॉलोनियों में अलग-अलग तरह की विसंगति होने से उन्हें रोक दिया है। अब इन्हें अप्रैल से लागू होने वाली नई गाइड लाइन में ही जोड़ा जा सकेगा। वरिष्ठ जिला पंजीयक डॉ. अमरेश नायडू ने बताया

कि मुख्यालय से 91 कॉलोनियों की मंजूरी आ गई है। जिन 10 कॉलोनियों को छोड़ा है, उनमें लोकेशन की प्रस्तावित दरों में कुछ विसंगतियां थीं। इसलिए फिलहाल उन्हें छोड़ा गया है। मालूम हो, सितंबर में 101 कॉलोनियों का प्रस्ताव दिया था, जिसे अब मंजूरी मिली है। इन्हें शामिल करने से आम लोगों को तो फायदा होगा ही, शासन को भी राजस्व मिलेगा। इन कॉलोनियों में 300 से ज्यादा रजिस्ट्री अगले माह होने के आसार हैं।

दिव्यांगों को वितरित किये गये निःशुल्क इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ

दैनिक अवन्तिका ► इंदौर

कलेक्टर शिवम वर्मा के नेतृत्व एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हसानी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा इनली फाउंडेशन के सहयोग से अभिनव कला समाज गांधी हॉल में निःशुल्क इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ वितरण शिविर का आयोजन 29 एवं 30 जनवरी को किया गया। जिसमें इंदौर जिले के अलावा विभिन्न जिलों से आए दिव्यांग लाभार्थियों को निःशुल्क संख्या में 118 सिलिकान इलेक्ट्रॉनिक हेन्ड प्रदाय किये गये। साथ ही लाभार्थियों को कृत्रिम हाथ के सही उपयोग एवं देखभाल की जानकारी भी दी जा रही है। यह पहले दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग का सराहनीय प्रयास है।



स्वच्छता और सीवरेज सिस्टम विफल हुआ, जिससे दूषित सीवेज का पानी पेयजल लाइनों में मिल गया। साथ ही उन्होंने यह भी सवाल उठाया है कि क्या सरकार को उन रिपोर्ट्स की जानकारी है, जिनमें जनवरी 2026 में भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से मौतें होने और बड़ी संख्या

में लोगों के बीमार पड़ने की बात सामने आई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हाल ही में इंदौर दौरे के दौरान कहा था कि भागीरथपुरा के दूषित पेयजल का मुद्दा संसद में उठाया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को विधानसभा में भी सरकार को घेरने के निर्देश दिए थे।

इंदौर-उज्जैन मार्ग पर हादसा

निर्माणधीन ब्रिज के सरियों में दबा झारखंड का मजदूर

काफी मशक्कत के बाद निकाला शव



दैनिक अवन्तिका ► उज्जैन

इंदौर-उज्जैन मार्ग पर शनिवार दोपहर दर्दनाक हादसा हो गया। निर्माणधीन ब्रिज के पिलर पर लगाये जा रहे सरियों के नीचे दबाने से मजदूर की मौत हो गई। 1 घंटे की मशक्कत के बाद गैस कटर से सरिये काटकर शव को निकाला गया।

सिंहस्थ 2028 के मध्यनजर इंदौर-उज्जैन मार्ग को सिक्स लाइन में तब्दील करने के साथ ब्रिज का निर्माण कार्य किया जा रहा है। नानाखेड़ा क्षेत्र स्थित शांति पैलेस होटल के सामने चल रहे ब्रिज निर्माण कार्य के दौरान पिलरों पर लोहे के सरियों का जाल बिछाया जा रहा है। शनिवार दोपहर पिलर पर चार से पांच मजदूर काम करने के लिए चले थे। उसी दौरान सरियों के जाल का संतुलन बिगड़ गया और एक साइड पूरी तरह से झुक गया। काम कर रहा एक मजदूर नीचे दब गया। हादसा होते ही अफरा-तफरी मच गई। मजदूर के दबने की खबर मिलते ही नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील टीम के साथ मौके पर पहुंचे। नानाखेड़ा थाना पुलिस टीम भी घटनास्थल पर आ गई थी। करीब 30 फीट की ऊंचाई पर सरियों के नीचे दबे मजदूर को निकालने के लिए मशक्कत शुरू की गई, सरियों का वजन कई टन होने पर उसे हाथों से हटाना मुश्किल हो रहा था, पुलिस ने गैस कटर की मदद से सरियों को कटवाया और करीब 50 से 60 मिनट बाद मजदूर को बाहर निकाला। मजदूर

ठेका रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट के पास

हादसे में मजदूर के बने की खबर मिलते ही एसडीएम पवन बारिया मौके पर पहुंच गए थे। उन्होंने बताया कि सिक्स लेन और ब्रिज निर्माण का ठेका रवि इंफ्राबिल्ड प्राइवेट लिमिटेड के पास होने की जानकारी सामने आई है। जिनके अधिकारियों को बुलाया गया है। घटनास्थल पर निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदार और अधिकारी नहीं मिले हैं। अधिकारियों के आने पर जानकारी ली जाएगी। फिलहाल मजदूर को शासन की ओर से जो भी मदद मिलना है उसके प्रयास किया जा रहे हैं, वहीं पोस्टमार्टम के बाद शव झारखंड तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी।

देखने वाले लोगों की लगी भीड़- हादसे में मजदूर के दबे होने की जानकारी सामने आते ही इंदौर-उज्जैन मार्ग हादसा स्थल पर देखने वालों की भीड़ जमा हो गई थी। पहले ही मार्ग निर्माण के चलते यातायात बाधित बना हुआ है वहीं हादसे के बाद लगी भीड़ के चलते मार्ग के एक साइड पर वाहनों की कतार लगना शुरू हो गई थी।

की सांस उखड़ चुकी थी तत्काल चरक अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मजदूर की जानकारी जुटाना पर सामने आया कि झारखंड का रहने वाला अशोक 35 से 40 वर्ष है। जो 15 मजदूरों के साथ पिछले पांच माह से निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहा था। पुलिस द्वारा मामले में मार्ग कायम किया गया है पोस्टमार्टम के बाद जांच शुरू की जाएगी।

क्रोध प्रेम से ही हारेगा



www.awantika.com

सम्पादकीय

अमेरिकी पहेलियां

अमेरिकी रणनीतियों से वैश्विक पहेलियां उलझती जा रही हैं, जिससे हम समाधान के बजाय समस्याओं की ओर बढ़ रहे हैं। अमेरिका केवल अपने अनुरूप परिवर्तन करने में लगा है और इस मोर्चे पर वह किसी भी देश की किसी भी सलाह पर कान नहीं दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने उचित ही कहा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान किसी एक शक्ति के दखल से नहीं होगा। गुटेरस ने अपने कार्यकाल के दसवें और अंतिम वर्ष की शुरुआत के अवसर पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अमेरिकी रवैये पर निराशा का इजहार किया है। निराशा और गुस्सा जायज भी है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार भी संयुक्त राष्ट्र का नाम नहीं ले रहे हैं। ट्रंप ने उन तमाम अमेरिकी राष्ट्रपतियों के प्रयासों पर पानी फेर दिया है, जो संयुक्त राष्ट्र का आदर करते थे। बदलती या बिगड़ती दुनिया को लेकर अगर आज गहरी चिंता है, तो होनी ही चाहिए। गुटेरस ने यह समझाने की कोशिश की है कि आज कई लोग अमेरिका और चीन के दो धुवों वाले भविष्य की कल्पना करने लगे हैं, लेकिन यदि हम एक स्थिर विश्व चाहते हैं, तो हमें बहुध्रुवीयता का समर्थन करना होगा।

उधर, गाजा में शांति का भविष्य भी खतरे में है, क्योंकि प्रमुख यूरोपीय देशों ने ट्रंप के शांति बोर्ड के निमंत्रण को ठुकरा दिया है। इतना ही नहीं, हमेशा अमेरिका के सहयोगी रहे ब्रिटेन ने वैश्विक समस्याओं से निपटने में संयुक्त राष्ट्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया है। गाजा में जहां उम्मीद की किरणें मद्धम पड़ रही हैं, वहीं ईरान को घेरने की अमेरिकी कोशिश मुसलसल आगे बढ़ रही है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ तनाव के बीच बहुत बड़े और शक्तिशाली जहाज ईरान की ओर बढ़ रहे हैं। ट्रंप की ईरान संबंधी नीति निंदनीय है। वह ईरान में विरोध या विद्रोह को हवा दे रहे हैं। वह यहां तक कह चुके हैं कि प्रदर्शनकारियों के लिए बस मदद पहुंचने ही वाली है। गौर करने की बात है कि अमेरिकी सहयोग पर भरोसा करके प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतरे हजारों ईरानी काल के गाल में समा चुके हैं और अभी भी अमेरिका मदद पहुंचाने के दावे कर रहा है? अमेरिका खुद पर लोगों के भरोसे को लगातार घटा रहा है, इसका खमियाजा उसे दशकों तक भुगतना पड़ सकता है। इसके पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप यूक्रेन के भरोसे को भी तोड़ चुके हैं। यूक्रेन को भी रूस के मुकाबले में खड़े होने के लिए अमेरिका और नाटो ने प्रेरित किया था।

समसामयिक

गौमाता के हितों के लिए जागरूक होना आवश्यक

भारतीय संस्कृति में गाय को गौमाता के रूप में पूजा जाता हैगौमाता हमारे धर्म ,संस्कृति और कृषि व्यवस्था का अभिन्न अंग हैअवैध तस्करी,गौवध और लापरवाही के कारण गौवंश की संख्या प्रभावित हो रही हैगौवध खुले में पड़ी सड़ी -गली बस्तुएं ,प्लास्टिक,कागज आदि खाने को मजबूर है। गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा मिलना चाहिए। गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिए बिना हम अपनी आत्मा की रक्षा नहीं कर सकतेभारतीय संस्कृति में गौ सेवा का प्रमुख स्थान हैजिससे हमारे धार्मिक कार्य पूर्ण होते आये है। विदेशो में भी अब गाय के स्पर्श को प्राथमिकता दी जाकर स्ट्रेस कम किये जाने का चलन हो भी चुका हैजिससे बीमारी ठीक होती है। सड़कों पर पशु के घुमने पर पशु पालक पर एक हजार रु जुमाना भी निर्धारित किया है। जयपुर में गाय के भटकने हेतु आवारा शब्द नहीं कहा जाएगा आश्रयहीन कहा जायेगा। साथ ही इसके पूर्व गाय के लिए आवारा शब्द पर भी प्रतिबंध किया गया है। गौ रक्षा पालन संवर्धन हेतु सामाजिक धार्मिक संस्थाएं एवं सेवा भावी लोग लगातार संघर्षरत हैक्योंकि गाय हमारी माता है एवं गौ रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य हैगौवंश की रक्षा हेतु सभी को जागृत रहना होगा। गौवंश की महिमा के बारे में ग्रंथों में उल्लेख है। डॉ. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने प्रदेश की जनता से अपील की अगर आपके पास के हित पर्याप्त जगह है तो गाय अवश्य पाले।

जयजय भारत- भारती

जयजय भारत- भारती, जय हो भारत- भारती। दिन में सूरज रात में चंदा तारे उतारे तेरी आरती। तो आओ हम भी करें आरती,भारत- भारती की आरती में। एक भारत श्रेष्ठ भारत, उज्जवल भारत उन्नत भारत। भारत का जयघोष है , भारत का जयकारा है। अब हम सारे भारतियों का एक यही नारा है। भारत सबसे श्रेष्ठ है, भारत सबसे प्यारा है। भारत की दिव्यता है , भारत की भव्यता है। अखण्डता है भारत की, भारत की सुरम्प्यता है। संस्कृति का राग , भारत का पराग है। अनेकता में एकता इसकी विशेषता है। तो आओ हम भी करें आरती,भारत - भारती की आरती। भारत की उमंग है ,भारत की तरंग है। हिमगंगा भारत की ,भारत का हिमश्रृंग है। सन्थता की सुरभी है ,संस्कृति की छाप है। शंखनाद है भारत का, भारत का आलाप है। तो आओ हम भी करें आरती, भारत- भारती की आरती।

सामाजिक सदभाव है, सांस्कृतिक समरसता है। भारत- भारती की बाजुओं में अदभुद क्षमता है। भारत ही लहकता है, भारत ही महकता है। भारत- भारती की आंखों में भारत ही चहकता है। तो आओ हम भी करें आरती,भारत - भारती की आरती में। एक भारत श्रेष्ठ भारत, उज्जवल भारत उन्नत भारत। भारत का जयघोष है , भारत का जयकारा है। अब हम सारे भारतियों का एक यही नारा है। भारत सबसे श्रेष्ठ है, भारत सबसे प्यारा है

जब मन में क्रोध की एक बड़ी तरंग आती है, तब उसे कैसे वश में लाया जाए? बहुत सरल सा जवाब है– उसके विपरीत एक तरंग उठाकर। उस समय प्रेम की बात मन में लाओ।

कभी–कभी ऐसा होता है कि पत्नी अपने पति पर खूब गरम हो जाती है, लेकिन उसी समय उसका बच्चा वहां आ जाता है और वह उसे अपनी गोद में उठाकर चूम लेती है ; इससे उसके मन में बच्चे के प्रति प्रेम–तरंग उठने लगती है और वह पहले तरंग को दबा देती है। प्रेम क्रोध के विपरीत है। इसी प्रकार, जब मन में

विचार-मंथन

1 फरवरी संत रविदास जयंती

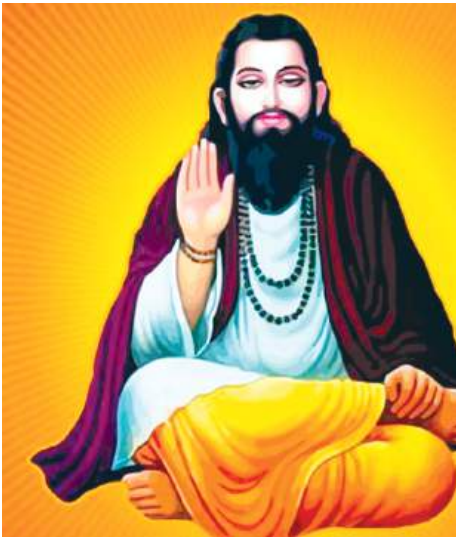
संत रविदास महाराज-- सांप्रदायिक सदभाव के प्रणेता थे

इस वर्ष 1फरवरी को संत रविदासजी को जयंती पूरे देश में संत की इस सीख के साथ मनाई जा रही है , कि कुछ बुरे लोग गलत काम ही करेंगे, हमें यह तय करना चाहिए, कि हम बुरे लोगों की वजह से अपनी अच्छाई नहीं छोड़ेंगे। संत रविदास अपने विचारों और अपने प्रेरक

जीवन की वजह से आज भी याद किए जाते हैं। जो लोग उनके विचारों व उपदेशों को अपने जीवन में उतार लेते हैं, वे अनेकों परेशानियों से बच सकते हैं, और उनके जीवन में सुख शांति बनी

भारत देश में मध्य काल के दौरान सामाजिक असमानता, आर्थिक दरिद्रता, और राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति के साथ समाज में व्याप्त- कुरीतियों के बोलबाले को समाप्त करने के लिए संत शिरोमणि श्री रविदास जी महाराज जैसे महापुरुष संवत 1433 की माघी पूर्णिमा को ज्ञान और वैराग्य की शाश्वत भूमि काशी में सुसंपन्न चर्मकार कुल में अवतरित हुए। उनके पिता का नाम राघवदास, माता का नाम कर्मा और पत्नी का नाम लोना था। जिस दिन संत रविदास जी का अवतरण हुआ, उस दिन संत रविदास की जन्म स्थली वाराणसी (काशी) उत्तरप्रदेश थी। उनके गुरु काशी के पंडित रामानंदजी एवं शिष्या चितौड़ की रानी झाली व कृष्ण भक्त मीराबाई थी। इस प्रकार रविदासजी भारत की 15 वी शताब्दी के एक महान संत, दर्शनशास्त्री, कवि, समाजसुधारक और ईश्वर के सच्चे अनुयायी थे।

उन्होंने समस्त मानव समाज को मानवता और कर्मत्व की शिक्षा दी। उनकी वाणी बेहद सारगर्भित, अनूठी और प्रभावशाली थी। वे जीवन का र्म मानते थे, और इस र्ममंजल के माध्यम से ही उन्होंने समाज को जागृत करने एवं नई दिशा दिखाने का भरपूर प्रयास किया। वे समतामूलक समाज की रचना में विश्वास रखते थे और कहते थे , कि जन्म के आधार पर कोई भी मनुष्य ऊंचा या नीचा नहीं होता है, अपितु



मनुष्य का व्यवहार ही उसे ऊंचा या नीचा बनाता है। संत रविदास जी ने जन्म के आधार पर होने वाले भेदभाव की घोर आलोचना की, उन्होंने कहा कि मनुष्य ने जातियों के भीतर अनेक जातियां बना दी, जिसका कोई आधार नहीं है। जब तक यह जाति का भेदभाव रहेगा , तब तक मनुष्य एक दूसरे से नहीं जुड़ पाएंगे। वे एक ऐसे सुशासन की मंशा रखते थे। जिसमें प्रत्येक मनुष्य को अन्न व न्याय उपलब्ध हो। वे कहते थे, कि अमीर तथा गरीब में आर्थिक विषमता की खाई को समाप्त करके ऐसे राज्य की स्थापना करके ही मुझे खुशी मिलेगी।

वे इतने दयालु प्रवृति के थे, कि जो भी संत या फकीर उनके द्वार पर आता था। वे उससे बिना पैसे लिए ही उन्हें अपने हाथों से बने जूते पहना देते थे। वे हर काम पूरी लगन और श्रद्धा से करते थे। संत ने अपने कर्म और वचनों से सभी को भक्ति, प्रोपकार और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने मनुष्य को सुख और स्वराज्य और दूसरा शमशान। उन्होंने अपनी आत्मा को कभी भी धन या प्रसिद्धि का दास नहीं बनने दिया एवं पुरुषार्थ के स्थान पर कभी भी अकर्मण्यता को स्वीकार नहीं किया। मन की पवित्रता उनके लिए मानव जीवन का सच्चा जीवन लक्ष्य थी। इसलिए मन चंगा तो कठौती में

किसी किस्म की चोरी का भाव उठे, तो उसके विपरीत भाव का चिंतन करना चाहिए। जब दान ग्रहण करने की इच्छा पैदा हो, तो उसके विपरीत भाव का चिंतन करना चाहिए।

में स्वयं यदि कोई झूठ कहूं, तो उससे जो पाप होता है, उतना ही पाप तब भी होता है, जब दूसरे को झूठ कहने में लगाता हूं अथवा दूसरे की किसी झूठी बात का अनुमोदन करता हूं। वह झूठ भले ही जरा सा हो, फिर भी झूठ तो है ही। पर्वत की कंदरा में बैठकर भी यदि पाप चिंतन करो, किसी के प्रति घृणा का भाव

इन्दौर, रविवार, 01 फरवरी 2026

विमान हादसों में नेताओं की असमय विदाई

गंगा जैसे सुविचार उन्होंने क्रियावित् करके भी दिखाए। संत के अनेकों प्रसंग हैं-- जिसमें उनके चमत्कारों का वर्णन भी मिलता है। रविदासजी अंधविश्वास, आडंबर और कर्मकांड को निरर्थक मानते थे। उनकी भक्ति साधना में विनम्रता तथा प्रेम की प्रधानता थी। उन्होंने आचरण की पवित्रता पर विशेष बल दिया। संत रविदास गुरु महिमा और सत्संग के समर्थक थे। वे मानते थे कि सत्संगित के बिना भगवान से प्रेम नहीं हो सकता और भगवत्प्रेम के बिना मुक्ति नहीं हो सकती। वे क्रोध, लोभ, माया, मोह एवं अहं को त्याज्य मानते थे।

गुरु रविदास को गुरु रैदास के नाम से भी पुकारा गया एवं इन्हें संत शिरोमणि की उपाधि दी गई। उनके अधिकांश अनुयायी सिख धर्म का पालन करते थे और श्री गुरु ग्रंथ साहिब में आस्था रखते थे। रविदास जी का यह अनुयायी संप्रदाय मुख्य रूप से पंजाब के मालवा क्षेत्र में निवास करता है।रैदास ने अपनी काव्य रचनाओं में सरल, व्यावहारिक ब्रज भाषा का प्रयोग किया जिसमे राजस्थानी, खड़ी बोली, अवधी भाषा, एवं उर्दू तथा फारसी शब्दों का भी मिश्रण रहा। उनके अनेकों दोहे तथा उक्तियाँ प्रचलित रही जो आज भी जीवंत मानी जाती है। गुरु ग्रंथ साहिब में रविदास जी के 40 पद व एक दोहा सोलह रागो में संकलित है।

रैदास की भक्ति सेवक और मालिक के समान है। जिस प्रकार सेवक अपने मालिक की भक्ति करता है और अपना पूरा जीवन उस मालिक की भक्ति में लगा देता है, उन्होंने ठीक वैसा ही जीवन जिया। वे भाईचारे को ही सच्चा धर्म मानते थे। उनकी भक्ति से हमें दूसरों की सहायता करने की सीख मिलती है। जिससे आत्मज्ञान का मार्ग प्रशस्त होता है। रैदास की वाणी भक्ति की सच्ची भावना, समाज के व्यापक हित की कामना एवं मानव प्रेम से ओतप्रोत थी। इसलिए उनका श्रोताओं के मन पर गहरा प्रभाव पड़ता था। उनके भजनों तथा उपदेशो से लोगों को ऐसी शिक्षा मिलती थी। जिससे उनकी शंकाओं का संतोषजनक समाधान हो जाता था, एवं लोग स्वतः ही उनके अनुयायी बन जाते थे।

पोषण करो, तो वह भी संचित रहेगा और कालान्तर में फिर से वह तुम्हारे पास किसी दुख के रूप में आकर तुम पर प्रबल आघात करेगा। यदि तुम अपने हृदय से ईर्ष्या और घृणा का भाव चारों ओर प्रसारित करते हो, तो वह चक्रवृद्धि व्याज सहित तुम पर आकर गिरेगा। दुनिया की कोई भी ताकत उसको रोक न सकेगी। यदि तुमने एक बार उस शक्ति को बाहर निकाला, तो फिर निश्चित जानो, तुम्हें उसका प्रतिघात सहन करना ही पड़ेगा। यह स्मरण रहने पर तुम कुकर्मों से बचे रह सकोगे।

06 दैनिक अवन्तिका

विमान हादसों में नेताओं की असमय विदाई

भारत की राजनीतिक यात्रा बार-बार आकाशी हादसों की भेंट चढ़ती रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती विमान दुर्घटना ने एक बार फिर पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। पांच लोगों की मौत के साथ राजनीति में एक ऐसा शून्य पैदा हुआ, जिसकी भरपाई केवल संवेदनाओं से संभव नहीं। यह पहला मामला नहीं है--संजय गांधी (1980), माधवराव सिंधिया (2001), वाई.एस. राजशेखर रेड्डी (2009) जैसे उदाहरण बताते हैं कि उच्च पदस्थ नेताओं की अकाल मृत्यु बार-बार एक ही प्रश्न खड़ा करती है: क्या विमान हादसे महज संयोग हैं, किसी साजिश का परिणाम, या फिर हमारी राजनीतिक यात्रा-संस्कृति और विमानन व्यवस्था की संरचनात्मक कमजोरी? भारतीय राजनीति में हवाई यात्रा अब सुविधा नहीं, बल्कि जीवनरेखा बन चुकी है। चुनावी दौर में एक प्रत्याशी औसतन 120-150 सभाएँ करता है; सप्ताह में 40-50 उड़ानें असामान्य नहीं। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से सक्रिय राज्य में बारामती-मुंबई-दिल्ली के बीच निरंतर आवाजाही समय की मजबूरी है। ऐसे में चार्टर्ड विमान और हेलीकॉप्टर नेताओं की पहली पसंद बनते हैं।

लेकिन यही विकल्प सबसे अधिक जोखिमपूर्ण भी हैं। आंकड़े बताते हैं कि प्राइवेट और चार्टर्ड विमानों की दुर्घटना दर कर्मशियल एयरलाइंस की तुलना में कई गुना अधिक है। कारण स्पष्ट हैं--सीमित पायलट अनुभव, पुराने विमानों का उपयोग, मौसम पर अत्यधिक निर्भरता, अस्थायी हेलीपैड और डीजीसीए की अपेक्षाकृत ढीली निगरानी। अजित पवार की दुर्घटना हो या वाई.एस. राजशेखर रेड्डी का हेलीकॉप्टर हादसा, या माधवराव सिंधिया का चार्टर्ड विमान--प्रारंभिक और अंतिम जाँचें बार-बार पायलट त्रुटि, तकनीकी विफलता या प्रतिकूल मौसम की ओर इशारा करती हैं। यह भी स्पष्ट है कि नेता रेल या कर्मशियल फ्लाइट से इसलिए बचते हैं क्योंकि वे चुनावी प्रचार की गति से मेल नहीं खा पाते। चुनावी मौसम में यह जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान सैकड़ों हेलीकॉप्टर और चार्टर्ड विमान किराये पर लिए गए।

बदलते पर्यावरण से गंभीर स्वास्थ्य संकट, ब्रेन इटिंग अमीबा

बढ़ती वैश्विक गर्मी और तेजी से बदलते पर्यावरण ने दुनिया के सामने एक नया और गंभीर स्वास्थ्य संकट कर दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण जानलेवा ब्रेन इटिंग अमीबा अब उन इलाकों तक फैलने लगा है, जहां पहले इसका नाम भी नहीं सुना गया था। कमजोर जल-आपूर्ति प्रणालियां और अपर्याप्त निगरानी इस खतरे को और बढ़ा रही हैं। जलवायु परिवर्तन अब केवल मौसम के असामान्य उतार चढ़ाव तक सीमित नहीं रह गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार धरती के लगातार गर्म होने से ऐसे सूक्ष्मजीवों को नए क्षेत्रों में पनपने का अवसर मिल रहा है, जो पहले सीमित इलाकों तक ही पाए जाते थे। जल, मिट्टी और नमी भरे वातावरण में रहने वाले फ्री-लिविंग अमीबा, जिन्हें आम बोलचाल में दिमाग खाने वाले अमीबा कहा जाता है, अब वैश्विक स्वास्थ्य के लिए एक उभरता हुआ खतरा बनते जा रहे हैं। एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ पुराना होता जल-आपूर्ति ढांचा और कमजोर निगरानी व्यवस्था इन खतरनाक सूक्ष्मजीवों के फैलाव को तेज कर रही है।

गर्म होती धरती व फैलता दायरा



वैज्ञानिकों का कहना है कि जैसे-जैसे धरती का तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे गर्म पानी पसंद करने वाले अमीबा उन इलाकों तक पहुंच रहे हैं, जहां पहले वे दुर्लभ माने जाते थे। हाल के वर्षों में कई देशों में मनोरंजन के लिए इस्तेमाल होने वाले जलाशयों में इससे जुड़े संक्रमण के मामले सामने आए हैं, जिससे आम लोगों की चिंता बढ़ी है और जल-सुरक्षा पर नए सवाल खड़े हुए हैं।

सहनशक्ति व जीवित रहने की क्षमता

जर्नल बायोकंटेमिमेंट में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार इन अमीबा की सबसे बड़ी ताकत उनकी

धर्म–आस्था

मृत्यु के बाद शब्दों की मर्यादा और हमारी अधूरी समझ

आज के त्वरित संदेशों और औपचारिक संवेदनाओं के युग में मृत्यु जैसी गंभीर और गहन घटना की कुछ शब्दों में संमेट दी जाती है। किसी के चिनन का समाचार मिला नहीं कि तुरंत प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ जाती है। श्रद्धा, संवेदना और शोक प्रकट करने की यह हड़बड़ी अक्सर सोच से खाली होती है। हम यह भूल जाते हैं कि मृत्यु केवल देह का अंत नहीं, बल्कि स्मृति, संस्कार और भावनाओं का विषय है, जिसे शब्दों में व्यक्त करते समय विवेक और मर्यादा की आवश्यकता होती है।

अक्सर देखा जाता है कि लोग किसी के देहांत पर विदेशी शब्दों का प्रयोग कर देते हैं, जिनका अर्थ, भाव और सांस्कृतिक संदर्भ हमारी परंपराओं से मेल नहीं खाता। यह प्रश्न विचारणीय है कि जिन शब्दों का प्रयोग हम कर रहे हैं, वे वास्तव में किसके लिए और किस भाव से कहे जा रहे हैं। मृत्यु के बाद व्यक्ति की देह ग़्त होती है, पर उसकी स्मृतियाँ, उसके कर्म और उसका प्रभाव समाज में जीवित रहता है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि हम श्रद्धा किसे अर्पित कर रहे हैं—उस देह को जो अब नहीं रही, या उन स्मृतियों को जो हमारे भीतर जीवित हैं। भारतीय परंपरा में मृत्यु को अंतिम विराम नहीं, बल्कि जीवन यात्रा का एक पड़ाव माना गया है। यहाँ संस्कार देह के लिए नहीं, आत्मा की शांति और



समाज की स्मृति के लिए होते हैं। अंतिम क्रिया के बाद भी मृतक का अस्तित्व उसके विचारों, व्यवहार और संबंधों के माध्यम से बना रहता है। इसलिए जब हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, तो वास्तव में हम उस व्यक्ति के जीवन, उसके मूल्यों और उसके योगदान को स्मरण कर रहे होते हैं।

यहाँ भाषा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। शब्द केवल औपचारिकता नहीं, भाव का वहन करते हैं। यदि शब्दों का चयन बिना सोचे-समझे किया जाए, तो संवेदना खोखली प्रतीत होने लगती है। नमन, प्रणाम और श्रद्धांजलि जैसे शब्द तब सार्थक होते हैं जब उनका उद्देश्य स्पष्ट हो। नमन किसी जीवित चेतना या स्मरणीय गुणों को किया जाता है। श्रद्धांजलि उस जीवन यात्रा को दी जाती है, जो समाज के लिए अर्थपूर्ण रही हो।

मृत्यु के बाद व्यक्ति स्वयं कुछ ग्रहण नहीं करता,

असाधारण सहनशक्ति है। ये ऐसे हालात में भी जीवित रह सकते हैं जहां अन्य कीटाणु नष्ट हो जाते हैं। भीषण गर्मी, क्लोरोइन जैसे कीटाणुनाशक और यहां तक कि सुरक्षित मानी जाने वाली पानी की पाइपलाइन भी इन्हें खत्म नहीं कर पातीं। यही वजह है कि ये जल-आपूर्ति प्रणालियों में लंबे समय तक टिके रह सकते हैं और पहचान से बचे रहते हैं। अमीबा मिट्टी और पानी में पाए जाने वाले एकल-कोशिकीय जीव होते हैं। जहां ईंसान के शरीर में लगभग 30 से 40 लाख करोड़ कोशिकाएं होती हैं, वहीं अमीबा में केवल एक ही कोशिका होती है। इसी एक कोशिका के सहारे यह जीव जीवन खोजता है, उसे ग्रहण करता है, पचता है और फिर अपशिष्ट के रूप में बाहर निकाल देता है।

समाधान की दिशा

इस बढ़ते संकट से निपटने के लिए वैज्ञानिक वन हेल्थ दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दे रहे हैं। इस दृष्टिकोण में मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण विज्ञान और जल प्रबंधन को एक साथ जोड़कर देखा जाता है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5750 डंकी, चना 4800 से 5000 विशाला, ९100 मेहू मिल क्वालिटी 2६50 से ,5५00 से 5550 मसूर 6000, 2675 लोकवन्न 2850 से 2900, महाराष्ट्र सफेद ६500 से 6600, पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज , महाराष्ट्र लाल ६600 से 6800, 2750 से 2775 मक्का 1550, कर्नाटक 6700 से 6900 तुअर, से 1600 चना दाल 7300 से निमारी 6200 से 6600 मूंग बेर 7400 मॉडियम 7500 से 7600 मर्मा 7800 से 8200 मूंग बेर 7800 से 8000 तुअर दाल 7100 से 7200 मॉडियम बोल्ड 8100 से 8300 एसेज 8300 से 8400 बेर 9100 से ६500 से 6700 मोगर 5500 9200 एकस्ट्रा बेर 10000 से से 6500 उड़द बोल्ड 7000 से 10100 ब्रांडेड 10700 मूंग दाल 7200 एक्ज 6200 से 6500 9100 से 9200 बेर 9600 हल्का उड़द 3000 से 5000 से 9800 मूंग मोगर 9600 से काबुली डॉलर 8000 से 8500 9700 बेर 1000 से 10200 काबुली शिशन 5500 से 5700 बिटकी 5100 से 5300 सरसो उड़द दाल 8६00 से 8800 बेर (मॉडियम) 8000 से 8200 9000 से 9200 उड़द मोगर निमाड़ी 8400 से 8500 रायड़ा 9800 से 1000 बेर 10100 6200 से 6400 सोयाबीन 4300 से 10200 मसूर दाल 7450 से से 4500 अलसी 8200 से 8500 7550 बेर 7६50 से 7750 रुपए तिल्ली 8000 से 9000 टोली 4000 से 4200 तिल्ली 8000 से 4500 रुपए प्रति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1300 से 1500 आलू चिप्स 1500 से 1900 ज्योति पुराना 1000 से 1500 राशन आलू 900 से 1100 गुल्ला 300 से 700, प्याज महाराष्ट्र 1600 से 1900 प्याज लोकल 1000 से 1400 एक्सेज 500 से 700 गोल्टा 600 से 800 गोल्टी 300 से 500 , लहसून सुपर बोल्ड 7000 से 7500 मॉडियम 4000 से 5000 बारीक 3000 से 4500 रुपए प्रति क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन्न मेहू- 1000-2975 चना काबली- 2910-8470, चना बड़ा- 5160-5915, बदला- 3317, रायड़ा- 7580, उड़द- 4350, धनिया- 8551, सोयाबीन- 1751-6212, मैथीदाना- 4720, अलसी- 6100, मावा- 280 प्रतिकिलो।
सोना-चाँदी- सोना- स्टैण्ड- 1,61,500, रत्ना- 1,61,000 चाँदी- टंच- 2,75,500 पाट- 2,74,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से १३0, चावल तिवार 68 से 120, चावल पोरिया 55 से 85, चावल की टुकड़ी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तुरार दाल निमाड़ी 130,तुवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तुवर दाल अन्ध 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मूंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंघ्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com



महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कमेटी ने दी श्रद्धांजलि:

दैनिक अवन्तिका ▶▶ सारंगपुर

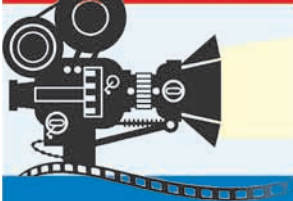
दैनिक अवन्तिका ▶▶ कायथा

खाचरौद

दैनिक अवन्तिका ▶▶ गुणा

निर्माण कार्य की राशि में कमीशनखोरी

महिदपुर रोडा छात्राएँ अपने करियर का चुनाव सोच-समझकर करे। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय कभी गलत सिद्ध हो सकता है। आपके द्वारा लिया गया निर्णय आपके भविष्य की दशा और दिशा तब करेगा। उक्त बात नगर के शास कीय कन्या हाई स्कूल में आयोजित करियर मेला एवं करियर काउंसलिंग के तहत चौथे दिनांक स्टूडेंट काउंसलर रक्षा शर्मा ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य अनिल सेठिया ने की अध्यक्षता करते हुए सेठिया ने कहा कि यह करियर काउंसलिंग छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी रुचि, योग्यता और लक्ष्य के अनुसार सही करियर चुनने में मार्गदर्शन देना था। कार्यक्रम में विशेषज्ञ करियर काउंसलर रक्षा शर्मा ने विज्ञान, वाणिज्य, कला, प्रतियोगी प्रतियोगिता तथा शिष्य व्यासाचार्यक पाठ्यक्रम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को सही समय पर सही निर्णय लेने, लक्ष्य निर्धारण और मेहनत के महत्व के बारे में बताया। छात्राओं ने अपनी निकाओं को खुलकर रखे, जिनका सौतेलपन समाधान किया गया। काउंसलर का स्वागत शिक्षक गोपाल तंवर, पूनम राय, सोहेलता शर्मा, बापू लाल चंद्र वंशी, संकेश चौहानिया ने किया। संचालन नोडल शिक्षिका पूनम राय ने किया। करियर काउंसलिंग कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिये अत्यंत लाभदायक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।



एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने हाल ही में कहा कि कई बार उनका मन सोशल मीडिया अकाउंट को डिलीट करने का करता है। एस्क्वायर इंडिया को दिए इंटरव्यू में आलिया ने कहा, कई दिन ऐसे होते हैं जब मैं उठकर सोचती हूं कि बस सोशल मीडिया डिलीट कर दूं और सिर्फ एक्टिंग करूं। बार-बार इस बातचीत का हिस्सा नहीं बनना चाहती, लेकिन मुझे यह भी पता है कि ऐसा करने से उन लोगों से संपर्क टूट जाएगा, जिन्होंने शुरु से मेरा साथ दिया है। मैं ऐसा नहीं चाहती।



सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट करना चाहती हैं आलिया भट्ट

एक्ट्रेस बोलीं- कई बार मन करता है, लेकिन ऐसा करने से फैस से संपर्क टूट जाएगा

बता दें कि आलिया भट्ट देश में सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली एक्ट्रेस में से एक हैं और इंस्टाग्राम पर उनके 86 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इंटरव्यू में आलिया ने मां बनने के बाद आए बदलावों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि मां बनने के बाद उनकी पर्सनल लाइफ पूरी तरह बदल गई है। अब उनकी दुनिया ज्यादातर अपनी बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है। आलिया ने कहा, हबअब जब पर्सनल लाइफ की बात आती है, तो वह इतनी पर्सनल हो गई है कि उसे शेयर करना थोड़ा मुश्किल लगता है। मेरे फोन की फोटो गैलरी मेरी बेटी



राहा से भरी हुई है। मुझे अपनी तस्वीरें लेने के लिए अलग से मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने मां बनने को एक बड़ा बदलाव बताया। आलिया के मुताबिक, इससे न सिर्फ शरीर बदलता है, बल्कि सोच, प्राथमिकताएं और दुनिया को देखने का नजरिया भी बदल जाता है। आलिया के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही एक्शन थ्रिलर फिल्म अल्फा में नजर आएंगी। इस फिल्म का डायरेक्शन शिव रावल कर रहे हैं। इसमें आलिया एक ऑल-युमन कॉम्बैट यूनिट की कमांडर की भूमिका निभा रही हैं।

जैकी चैन ने रिकॉर्ड किया फेयरवेल साँगा

कुंग-फू फिल्मों के मशहूर एक्टर जैकी चैन ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्होंने एक ऐसा गाना रिकॉर्ड किया है, जो उनकी मौत के बाद रिलीज किया जाएगा। उन्होंने इस गाने को दुनिया के लिए अपना आखिरी संदेश बताया। यह बात उन्होंने 28 दिसंबर को बीजिंग में अपनी नई ड्रामा फिल्म अनएक्सपेक्टेड फैमिली के प्रीमियर के दौरान कही। रिपोर्ट के अनुसार, जैकी चैन ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ उन्होंने अपने कई करीबी दोस्तों और अपनों को खो दिया है। इन घटनाओं ने उन्हें जिंदगी के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने महसूस किया कि जीवन बहुत छोटा है और जो बातें दिल में हैं, उन्हें समय रहते कह देना चाहिए। इसी सोच के साथ उन्होंने एक खास गाना रिकॉर्ड किया है, जिसे वह अपना आखिरी संदेश यानी फाइनल मैसेज मानते हैं। इस गाने को रिकॉर्ड करने के पीछे उनकी भावना बहुत गहरी है। जैकी चैन ने कहा कि पिछले कुछ सालों में हुई कई लोगों की मौतों ने उन्हें यह सिखाया कि कुछ भी हमेशा के लिए नहीं होता। इसलिए उन्होंने सोचा कि दुनिया से विदा लेने से पहले

वह अपनी भावनाएं एक गाने के जरिए लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं। हालांकि, उनके परिवार और उनकी टीम ने इस गाने को अभी रिलीज न करने की सलाह दी है। इसलिए यह तय किया गया है कि यह गाना उनके फैस के लिए उसी दिन जारी किया जाएगा, जब चैन इस दुनिया को अलविदा कहेंगे। प्रीमियर के दौरान जब दर्शकों ने उनसे इस गाने की कुछ पंक्तियां गाने का अनुरोध किया, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए मना कर दिया। मजाक में उन्होंने कहा, हूअगर मैं अभी गा दूं, तो आप सब रोने लगेंगे। बता दें कि अपनी नई फिल्म अनएक्सपेक्टेड फैमिली में जैकी चैन बिल्कुल अलग रूप में नजर आ रहे हैं। इस बार वह एक ऐसे बुजुर्ग व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं, जो अल्जाइमर बीमारी से जूझ रहा है।



अल्काराज ने सबसे लंबे सेमीफाइनल में ज्वेरेव को हराया

कार्लोस-नोवाक में खिताबी जंग

जोकोविच तीन साल बाद इतिहास रचने के करीब

एजेंसी ►► मेलबर्न

कार्लोस अल्काराज ने दमदार वापसी करते हुए शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के इतिहास का सबसे लंबा सेमीफाइनल जीतकर पहली बार फाइनल में प्रवेश कर लिया। खिताब के लिए रविवार को अल्काराज का सामना 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच से होगा।

दोनों ने ही पांच-पांच सेट में जीत दर्ज की। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी अल्काराज ने तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव को पांच घंटे 27 मिनट तक चले मुकाबले में 6-4, 7-6, 6-7, 6-7, 7-5 से हराया। यह टूनामेंट के इतिहास का सबसे लंबा सेमीफाइनल रहा। वहीं जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए दो बार के चैंपियन और दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी यानिक सिनेर को चार घंटे नौ मिनट में 3-6, 6-3, 4-6, 6-4, 6-4 से हराया। आठ साल में पहली बार : पिछले



आठ साल में यह पहला मौका है जब किसी ग्रैंड स्लैम में पुरुषों के दोनों सेमीफाइनल मुकाबले पांच सेट तक चले। इससे पहले 2018 में विम्बलडन में ऐसा हुआ था। सबसे उम्रदराज खिलाड़ी :

जोकोविच (38 साल 355 दिन) साल के पहले ग्रैंड स्लैम के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। वह तीन साल में पहली जबकि कुल 11वीं बार यहां फाइनल में पहुंचे। वह 2023 के बाद पहले और कुल 25वें ग्रैंड

स्लैम से अब सिर्फ एक जीत दूर हैं।

करियर ग्रैंड स्लैम से एक जीत दूर अल्काराज : 22 वर्षीय अल्काराज अब करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। अगर वह ट्रॉफी जीतने में सफल रहते हैं तो चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन जाएंगे।

सबसे युवा खिलाड़ी

इसके साथ ही अल्काराज (22 साल 258 दिन) ओपन युग में चारों ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। लगातार चारों ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी।

ओलिविया गाडेकी और जॉन पीयर्स पिछले 37 साल में मिश्रित युगल में खिताब बचाने वाली पहली जोड़ी बन गईं। वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले गाडेकी और पीयर्स की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने फाइनल में फ्रांस के क्रिस्टीना म्ताडेनोविक और मैनुअल गिनार्ड को 4-6, 6-3, 10-8 से हराया।

मनप्रीत के बचाव में इस्तीफा देने को तैयार थे कोच फुल्टन

एजेंसी ►► नई दिल्ली

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने अनुभवी मिडफील्डर और पूर्व हॉकी कप्तान मनप्रीत सिंह को अनुशासनहीनता के आधार पर भारत की संभावित खिलाड़ियों की कोर सूची से बाहर किए जाने का कड़ा विरोध किया था। एक सूत्र ने शुक्रवार को कहा कि इस फैसले के बाद फुल्टन ने इस्तीफा देने की धमकी भी दी थी लेकिन

हॉकी इंडिया द्वारा मनाने के बाद वह पद पर बने रहने के लिए राजी हो गए। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि फुल्टन ने राउरकेला में एक से सात फरवरी तक 33 कोर संभावित खिलाड़ियों के शिफर से मनप्रीत को हटाने के दबाव को 'बाहरी हस्तक्षेप' बताया था। यह बात सामने आई कि मनप्रीत पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान नशीली दवा के

सेवन से जुड़े मामले में शामिल थे। दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता को 15 साल में पहली बार कोर संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर किया गया। संभावित खिलाड़ियों को तय करने के लिए हुई बैठक में हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह और मुख्य चयनकर्ता आरपी सिंह ने कहा कि मनप्रीत को बाहर किया जाना चाहिए।

आवश्यकता है

अनुभवी कर्मचारियों की जिसमें अनुभव हो वही संपर्क करें सैलरी 10000 से 15000 प्रति माह पाल किराना उन्हेल रोड भेरुगढ़

मो. 9907525081

कर्मचारी की आवश्यकता

क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी वेटर हेल्पर किचन हेल्पर तंदूर वाला और सिक्चुरिटी गार्ड की तुरंत आवश्यकता है

पता- हरिफाटक फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड उज्जैन, 761-0571808

तुरंत लोन

होम लोन, बिजनेस लोन, ट्रांसफर्म लोन, पर्सनल लोन, ऑफिस वर्क, फील्ड वर्क के लिए गर्ल्स वेतन 10500 रु.

पता: श्री फाइनस सर्विस, हार फूल की गली, फ्रीगज, उज्जैन मो. 9981248359

आवश्यकता है

कागज पतल बनाने हेतु पुरुष एवं महिलाओं की पेपर ग्लास मशीन ऑपरेटर की पैकिंग हेतु महिलाओं की हेल्पर हेतु लड़कों की शीघ्र संपर्क करे श्री हरि पेपर इंडस्ट्री 8 इंडस्ट्रियल एरिया मक्सी रोड प्रयाग पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन

मोबाइल 9425358095

आवश्यकता है

मार्केटिंग / सेल्समैन वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार (समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लंच 1 से 2.30) नोट: जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा

संपर्क
मो.9575477077

कृषि भूमि बेचना है

• उज्जैन से मात्र 16 किमी पर 5 बीघा ग्राम आँवल्या में मात्र 22 लाख रुपये बीघा

• 25x60 का प्लॉट बेचना है एमपी नगर में

• 13x50 का मकान बेचना है मक्सी रोड एम आर 5 रोड पर • 17x30 तीन मजिला मकान बेचना है मेन रोड पर सांदीपनी नगर एम आर 5 रोड पर

मो. 9301388290, 9340903559

प्लाट बेचना है

गणेशपुरा, मक्सी रोड, संजोग गेस एजेंसी के सामने 19'x55' और 15'x55' साइज के प्लाट बेचना है । प्रस्तावित फोरलेन से मात्र 100 फिट की दूरी पर। ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करें।

मो. 9131720147, 9424045696

अमरूद बेचना है

अमरूद का बगीचा जवासिया कुमार, लालपुर, उज्जैन में चार बीघा में करीब 400 अमरूद के पेड़ अच्छी बहार आई फल बेचना है।

: संपर्क :
7746856444

आवश्यकता है

कारखाने में (उज्जैन) पैकेजिंग कार्य हेतु महिलाओं एवं आदमियों की

संपर्क करें
9300405252

अवश्यकता है

पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।

मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क प्रीगंज (उज्जैन) मो. 9425094114

आवश्यकता

होटल हिमालया ग्रीन खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)

1- तवा रोटी बनाने वाले

2- वेटर

3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ

10, ए विनय नगर देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.) मो. 9575279117

रद्दी बेचना है

अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है

संपर्क
7773077762

रेंट पर देना/आवश्यकता

1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज मंडी के सामने 2400 रस्वे. फीट का शोरूम रेंट पर देना है। ऑफिस, बैंक के लिए

2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 20000 रुपए

संपर्क
9826398272

कर्मचारियों की आवश्यकता है

इंदौर में रियल स्टेट कंपनी के ऑफिस में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क करें, सेल्स एजीक्यूटिव एंड टेलीकॉलिंग

सुपर कॉरिडोर और विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

वॉटर पुफिंग

करवाएं काफी कम रेट में विजीट चार्ज 499/- ईट का कॉवा वॉटर पूफिंग भी किया जाता है।

बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें **9977140280**

